

चीनी उद्योग में लाभप्रदता के मॉडल पर चर्चा

राष्ट्रीय शर्करा
संस्थान में
कार्यशाला

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में
कार्यशाला को संबोधित
करते निदेशक प्रो. नरेन्द्र
मोहन।



कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में बुधवार को 'रिस्क प्रिवेंशन फॉर बेस्ट आउटकम्स इन इंडियन शुगर इंडस्ट्री' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी। संस्थान निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने इस अवसर पर कहा कि शर्करा उद्योग की लाभप्रदता को पूरे उद्योगों के संदर्भ में देखा जाए, न कि किसी विशेष इकाई के संदर्भ में।

निदेशक ने कहा कि भारत में चीनी उद्योग पर समय-समय पर संकट आता रहता है एवं लाभ की स्थिति न होने पर गन्ना किसानों के भुगतान व अन्य समस्याओं से जूझता है। उन्होंने उक्त परिदृश्य के मद्देनजर इसे आवश्यक बताया कि चीनी उद्योग कम लागत एवं लाभ में वृद्धि, बिजनेस प्रॉसेस इंजीनियरिंग, तकनीकी क्षमता विकास, अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों एवं उत्तम गुणवत्ता व्यवहारिकता को अपनाने

के साथ ही वैधानिक एवं पर्यावरण मापदंडों का अपनाने पर जोर दिया। कार्यशाला में शब्द रिस्क असेसमेंट एंड कंसल्टेंसी सर्विसेस (नई दिल्ली) के निदेशक अमित कुमार ने चीनी मिलों के लिए प्रॉफिट सेंटर मॉडल का प्रजेंटेशन किया। उन्होंने सिक्स सिगमा स्टैंडर्ड तकनीक का वर्णन करते हुए बताया कि किस प्रकार सबसे पहले 1986 में मोटोरोल कंपनी ने इसे अपनाकर लाभ कमाया। बताया कि किस प्रकार प्रदूषण, प्रॉसेसिंग टाइम व उत्पाद लागत को कम कर चीनी उद्योग सतत लाभ अर्जि कर सकता है। इस अवसर पर संस्थान के कई अ-वैज्ञानिकों भी विचार व्यक्त किये एवं यह निष्कर्ष निकाला कि चीनी उद्योग महत्वपूर्ण क्षेत्रों को चिह्नित कर उनके लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसेड्यूर बनाये तदनुसार लाभप्रदता का मॉडल लागू करे।

चीनी मिलों के लिए प्रॉफिट सेंटर मॉडल बनाया

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट ने चीनी मिलों के लिए प्रॉफिट सेंटर मॉडल तैयार किया है। इसे तैयार करने में विभिन्न मिलों के तरीकों की समीक्षा की गई। इसके बाद आठ बिंदुओं के मानक बनाए गए। इनका पालन करने से चीनी मिलों को उत्पादन में आसानी होगी। इंस्टीट्यूट के

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में कार्यशाला

निदेशक प्रोफेसर नरेन्द्र मोहन ने बताया कि इसे भारतीय परिवेश को ध्यान में रखकर बनाया गया है। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में बुधवार को 'रिस्क प्रिवेंशन फॉर बेस्ट आउटकम्स इन इंडियन शुगर

इंडस्ट्री' विषय पर कार्यशाला हुई। इसमें मॉडल के मानक बनाने के लिए आठ बिंदुओं पर मंथन किया गया। इनमें गन्ना खरीद, पेराई, रस की सफाई, चीनी उत्पादन, चीनी बोरे में भरना, स्टीम बनाना, पावर जनरेशन और दूषित जल शोधन को शामिल किया गया।



वर्कशॉप में प्रजेंटेशन देते एक्सपर्ट.

मॉडल से मुनाफा कमाएंगी शुगर मिलें

» एनएसआई में आयोजित की
गई नेशनल वर्कशॉप

KANPUR (28 Nov): शुगर मिलों को परमानेंट प्रॉफिट में लाने की कवायद शुरू हो गई है. बुधवार को प्रॉफिट सेंटर माडल पर अगल-अलग एक्सपर्ट्स ने अपने विचार व्यक्त किए. आने वाले टाइम में शुगर मिल एसोसिएशन को इस माडल के बारे में डिटेल से जानकारी दी जाएगी ताकि वह अपनी मिलों को प्रॉफिट में चला सकें.

8 सेक्टर में इंडस्ट्री हुई डिवाइड

नेशनल शुगर इंडस्ट्रीट्यूट में बुधवार को शुगर मिलों को प्रॉफिट में लाने के लिए आयोजित वर्कशॉप में डायरेक्टर नरेन्द्र मोहन अग्रवाल ने प्रॉफिट सेंटर माडल का प्रजेंटेशन दिया. वर्कशाप में एक्सपर्ट ने कहा कि आईटी सेक्टर में एक सेट मॉडल पर काम किया जाता है जिसकी वजह से कंपनियां घाटे में नहीं रहती हैं. शुगर प्रोडक्शन को आठ सेक्टर में डिवाइड किया जाएगा. जिसमें गन्ने की खरीद से लेकर चीनी प्रोडक्शन तक शामिल है. प्रोसेसिंग कॉस्ट कम होने के साथ कम वेस्ट और कम प्रदूषण पर भी फोकस किया गया है.

चीनी उद्योग के लाभ के लिए बनाया मॉडल

जासं, कानपुर : चीनी उद्योग में हो रहे घाटे को दूर करने के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने एक ऐसा मॉडल विकसित किया है जो चीनी का उत्पादन बढ़ाने के साथ गन्ने से निकलने वाले दूसरे अवशेषों को भी मुनाफे में बदलेगा। यह मॉडल गन्ने की खरीद से लेकर चीनी उत्पादन समाहित करते हुए बनाया गया है।

एनएसआइ के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि जिस तरह तकनीकी वस्तुओं का बाजार बढ़ाने के लिए एक मॉडल का इस्तेमाल किया जाता है। उसी तरह टेक्सटाइल उद्योग के बाद देश में दूसरे नंबर पर आने वाले चीनी उद्योग को फायदे में लाने के लिए भी मॉडल की जरूरत है। इस दौरान शब्दा रिस्क एसेसमेंट एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज दिल्ली के निदेशक अमित कुमार ने चीनी मिलों के लिए प्रॉफिट सेंटर मॉडल प्रस्तुत किया। उनका मॉडल सिक्स सिग्मा स्टैंडर्ड तकनीकी पर आधारित रहा। उन्होंने दिखाया कि किस तरह प्रदूषण, प्रोसेसिंग का समय व उत्पादन लागत कम करके चीनी उद्योग को फायदे के शिखर पर पहुंचाया जा सकता है। इस दौरान देशभर से आए अन्य विशेषज्ञों ने भी अपने अपने मॉडल प्रस्तुत किए।